

KHWABON KA KARWAAN

A MONTHLY NEWSLETTER

modicarefoundation.org for/officialmodicarefoundation

modicarefoundation



माचे 2021



वार्षिक समीक्षा कार्यशाला में मोदीकेयर फाउंडेशन की टीम

वार्षिक समीक्षा एवं कार्य योजना कार्यशाला

मोदीकेयर फाउंडेशन की वार्षिक समीक्षा एवं योजना कार्यशाला मोदी इंटरप्राइजेज के टाउनहॉल, 41 कम्यूनिटी सेंटर में दिनॉक 15 से 18 मार्च तक आयोजित की गई।

समीक्षा एवं कार्य योजना फाउंडेशन के काम का एक अभिन्न हिस्सा है जहाँ टीम के सदस्य पिछले वर्ष में किए गए कार्यों को प्रस्त्त करते हैं और आगामी वर्ष के लिए योजना बनाते हैं। यह कार्यशाला पिछले वर्ष की च्नौतियों, उपलब्धियों और नवाचारों को दस्तावेज करने और अगले वर्ष के लिए योजनाएँ तैयार करने का अवसर प्रदान करती है।

आने वाले वर्ष की योजना फाउंडेशन के सदस्यों दवारा स्वयं एवं संस्था की निदेशिका महोदया के निर्देशन और सुझाव के साथ की जाती है। विकेन्द्रीकृत नियोजित कार्य प्रणाली सदस्यों में स्वामित्व (ओनरशिप) की भावना में वृद्धि के साथ-साथ नए विचारों पर भी चर्चा करने का अवसर प्रदान करती है, जो कार्यक्रमों के उद्देश्यों को पूरा करने के लिए कार्यान्वित किया जा सकता है।



कार्यशाला में टीम को संबोधित करतीं हुई सुश्री लतिका दीक्षित



सल्तनत द्वारा SWOT विश्लेषण का प्रस्तुतीकरण



ख्वाबगाह टीम अगले साल के लिए योजना बनाती हई



सृष्टि, AOC कार्यक्रम की समीक्षा पेश करती हई





कारखाने के कर्मचारियों के साथ पाँश प्रशिक्षण

एक वर्ष से अधिक के अंतराल के बाद ऑनलाइन ट्रेनिंग के बजाय कार्यस्थल पर जाकर, कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीइन (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम-2013 के ऊपर प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए गए। प्रशिक्षण का आयोजन प्रगति एक्सेसरीज प्राइवेट लिमिटेड और एमआर यूटिलिटी प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड नोएडा, उत्तर प्रदेश के श्रमिकों के साथ किया गया। दोनों सत्रों में 165 महिलाओं और प्रषों को प्रशिक्षित किया गया।

हमारे वरिष्ठ प्रशिक्षकों राजेश, अजहर और राबिया ने सत्रों का संचालन किया। कंपनी के कर्मचारियों को POSH के प्रावधानों, इसके तहत आने वाले विभिन्न व्यवहारों, ऐसे व्यवहारों के पीछे के कारणों और महिलाओं के लिए उपलब्ध निवारण तंत्र (आतंरिक समिति IC) के बारे में जागरूक किया गया। POSH प्रशिक्षण में लैंगिक संवेदनशीलता प्रशिक्षण (जेंडर सेंसिटाइजेशन) के कुछ प्रमुख बिंदुओं को भी शामिल किया गया।

कोविड काल में अध्यापन

में पिछले 16 वर्षों से पढ़ा रही हूँ, फिर भी शिक्षण के तरीके एक जैसे थे। मोदीकेयर फाउंडेशन का हिस्सा बनने के बाद, मैंने देखा कि शिक्षण का तरीका पूरी तरह से बदल गया है। तकनीिक की प्रमुख भूमिका के कारण शिक्षकों और छात्रों के बीच बातचीत ने एक नया आयाम लिया है। मैंने छात्रों के सीखने के स्तर को बेहतर बनाने के लिए नए नए तरीके सीखे और छात्रों के आँकलन के लिए भी नए तरीके सीखे। लोगों का मानना है कि आप एक बूढ़े घोड़े को नई चाल नहीं सिखा सकते, लेकिन 16 साल के शिक्षण के बाद मैंने बच्चों की भागीदारी बढ़ाने की नई तरकीबें सीखी हैं।



Kamlesh Khurana





Modicare Foundation Team at the Workshop

Annual Review and Planning Workshop

Modicare Foundation's Annual Review and Planning Workshop was held from 15th - 18th March in the Townhall of 41 Community Centre.

Review and planning are an integral part of the Foundation's work where the team members present the work done in the last year and plan for the coming year. This provides an opportunity to document the challenges, achievements and innovations of the previous year and formulate plans for the next year.

The planning for the coming year is done by the members themselves with inputs from the Director. The decentralized planning helps in increased ownership of the work as well as giving members an opportunity to discuss new ideas which can be implemented to achieve the objectives of the programs.

March 2021



Ms. Latika Dikshit addressing the workshop



Saltanat presenting the SWOT analysis by the Khwabgah team



Khwabgah team working out the plans for next year



Srishti presenting the AOC review





POSH Training with Factory Workers

After a gap of more than a year, physical training sessions on The Sexual Harassment of Women at Workplace (Prevention, Prohibition and Redressal) Act, 2013 were conducted. The physical trainings were conducted at Pragati Accessories Pvt. Ltd and at M.R. Utility Products for their factory workers. 165 workers were trained in both the sessions.

Our senior trainers Rajesh, Azhar and Rabeea conducted the sessions. The workers were made aware of the provisions of POSH, various behaviours covered under it, some of the reasons behind such behaviour and the redressal mechanism available to women. The POSH trainings also include some elements of gender sensitivity training.

Teaching in Covid Era

I have been teaching for the last 16 years, yet the methods of teaching were the same. After joining MCF, I saw that the way of teaching has completely changed. Interaction between the teachers and students has taken a new dimension as technology is playing a major role. I learnt innovative ideas to improve the learning levels of students and learnt new ways to assess students. They say you can't teach an old horse new tricks but after 16 years of teaching I have learnt several new tricks for engaging with students.



Kamlesh Khurana